बीईसीसी–116

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
अर्थशास्त्र (एफवाईयूपी)
(बीएएफईसी)

सत्रीय कार्य 2025–26
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 प्रवेश चक्र के लिए

पाठ्यक्रम कोड : **BECC-116**
मध्यवर्ती समष्टि अर्थशास्त्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–68

प्रिय छात्र,

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में बताया गया है, इग्नू में किसी भी पाठ्यक्रम के मूल्यांकन में i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा शामिल होते हैं। अंतिम परिणाम में उस पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य के 30 प्रतिशत भारांक (weightage) होते हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के 70 प्रतिशत भारांक दिए जाते हैं। आपको 6–क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए तीन सत्रीय कार्य और 4–क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए दो सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय–कार्य पुस्तिका में मुख्य पाठ्यक्रम **बीईसीसी–116ः मध्यवर्ती समष्टि अर्थशास्त्र** के लिए सत्रीय कार्य हैं।

सत्रीय कार्य I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (Descriptive Category Questions) हैं। ये निबंध के समान उत्तर लिखने के लिए हैं, जिनमें परिचय एवं निष्कर्ष शामिल हों। इनका उद्देश्य किसी विषय के बारे में अपनी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, सटीक एवं सुसंगत तरीके से वर्णित करने की आपकी क्षमता का परीक्षण करना है।

सत्रीय कार्य II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न (Middle Category Questions) हैं। इन प्रश्नों के लिए आपको पहले तर्क एवं स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा और फिर संक्षिप्त तरीके से उत्तर लिखना होगा। ये प्रश्न अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं के बीच अंतर करने, उनकी तुलना करने और उनके बीच विषमता दिखाने संबंधी आपकी क्षमता एवं स्पष्ट समझ का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य III में लघु श्रेणी के प्रश्न (Short Category Questions) हैं। ये प्रश्न विभिन्न अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद करने संबंधी आपके कौशल को बेहतर बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य को हल करने से पहले कृपया कार्यक्रम संदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह आवश्यक है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी खंड विशेष हेतु निर्धारित शब्द सीमा के लगभग दायरे में ही होने चाहिए।

याद रखें कि सत्रीय–कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो सकेंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में बताया गया है, सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य होने के लिए आपको निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्य आपके **अध्ययन केंद्र के समन्वयक** को निम्नलिखित तिथि तक जमा कर दिए जाने चाहिए –

जुलाई 2025 चक्र के छात्रों के लिए : 31.03.2026

जनवरी 2026 चक्र के छात्रों के लिए : 30.09.2026

आपको अपने जमा किए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद प्राप्त करनी होगी और उसे सँभाल कर रखना होगा। यदि संभव हो तो आपके द्वारा जमा किए गए सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी/स्कैन की गई कॉपी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको वापस करना होगा। कृपया इस बात पर अडिग रहें।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के प्रश्नों के लिए दिशानिर्देशों के अनुसार ही प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देंगे। आपके लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी रहेगा –

1) **नियोजन** : सत्रीय कार्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें। जिन इकाइयों पर वे आधारित हों, उन्हें देखें। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण बिंदु बनाएँ और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की एक कच्ची रूपरेखा तैयार करने से पूर्व थोड़ा चयनात्मक एवं विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय एवं निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

3) **प्रस्तुति** : एक बार जब आप अपने उत्तरों से संतुष्ट हो जाएँ, तो आप सत्रीय कार्य जमा करने के लिए उसकी स्वच्छ प्रति तैयार कर सकते हैं। प्रत्येक उत्तर को साफ–सुथरा लिखें और उन बिंदुओं को रेखांकित करें जिन पर आप बल देना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर ही हों।

बी.ई.सी.सी.–116 : मध्यवर्ती समष्टि अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम कोडः : बी.ई.सी.सी.-116
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी / बीईसीसी–116 / 2025–26
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

$2 \times 20 = 40$

1) IS और LM वक्रों के लिए समीकरण अवकलित करें। मॉडल के प्राचल भी निर्दिष्ट करें। बताएँ कि संतुलन उत्पादन और ब्याज दर के स्तर इन प्राचलों में परिवर्तन से कैसे प्रभावित होते हैं।

2) दो–अवधि उपभोग मॉडल में उपभोक्ता के अधिमान एवं उपभोग के इष्टतम स्तर कैसे निर्धारित किए जाते हैं? स्पष्ट करें।

सत्रीय कार्य II

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

$3 \times 10 = 30$

3) हानि फलन क्या होता है? केंद्रीय बैंक द्वारा मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी की अवधारणा के अनुसार इस फलन का आकार कैसे बदलता है?

5) मुद्रा की लेन–देन माँग के बॉमोल–टोबिन मॉडल की प्रमुख अभिलक्षणों पर प्रकाश डालें।

5) विनिमय दर के अत्यधिक बढ़ने के पीछे क्या कारण होते हैं? स्पष्ट करें।

सत्रीय कार्य III

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

$5 \times 6 = 30$

6) रिकार्डियन तुल्यता परिकल्पना से प्रमुख अंतर्दृष्टिपूर्ण विचारों की व्याख्या करें।

7) किसी अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की कमियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

8) नीति अप्रभाविता परिकल्पना के क्या निहितार्थ हैं?

9) अनुकूली अपेक्षाओं की अवधारणा की व्याख्या करें। इसकी क्या कमियाँ हैं?

10) उन कारकों पर चर्चा करें जो मध्यम अवधि के कुल आपूर्ति (AS) वक्र में परिवर्तन का कारण बनते हैं।